हि. प्र. विभागीय परीक्षा बोर्ड

हिन्दी (लिखित)

पेपर: 2 + 4 परीक्षा सत्र सितम्बर 2021 अंक - 60 समय: 2 घण्टे

नोट:- 1) सभी प्रश्न अनिवार्य है। 2) प्रत्येक प्रश्न के अंक कोष्ठक में दिए गए है

प्रश्न: 1 Translate into Hindi the following English passage.

(निम्नलिखित गद्यांश का अनुवाद सरल हिंदी में करें)

How are we to know a teacher, then? The sun requires no torch to make him visible, we need not light a candle in order to see him. When the sun rises, we instinctively become aware of the fact, and when a teacher of men comes to help us, the soul will instinctively know that truth has already begun to shine upon it. Truth stands on its own evidence, it does not require any other testimony to prove it true, it is self effulgent. It penetrates into the innermost corners of our nature, and in its presence the whole universe stands up and says, "This is truth." The teachers whose wisdom and truth shine like the light of the sun are the very greatest the world has known, and they are worshipped as God by the major portion of mankind. But we may get help from comparatively lesser ones also; only we ourselves do not possess intuition enough to judge properly of the man from whom we receive teaching and guidance; so there ought to be certain tests, certain conditions, for the teacher to satisfy, as there are also for the taught.

The conditions necessary for the taught are purity, a real thirst after knowledge, and perseverance. No impure soul can be really religious. Purity in thought, speech, and act is absolutely necessary for anyone to be religious. As to the thirst after knowledge, it is an old law that we all get whatever we want. None of us can get anything other than what we fix our hearts upon. To pant for religion truly is a very difficult thing, not at all so easy as we generally imagine. Hearing religious talks or reading religious books is no proof yet of a real want felt in the heart; there must be a continuous struggle, a constant fight, an unremitting grappling with our lower nature, till the higher want is actually felt and the victory is achieved. It is not a question of one or two days, of years, or of lives; the struggle may have to go on for hundreds of lifetimes. The success sometimes may come immediately, but we must be ready to wait patiently even for what may look like an infinite length of time. The student who sets out with such a spirit of perseverance will surely find success and realization at last.

(15 अंक)

प्रश्न: 2 निम्नलिखित गद्यांश की व्याख्या सरल हिंदी में करें।

अटल बिहारी वाजपेयी ने अपने जीवन में सर्वाधिक प्रसन्नता का क्षण संयुक्त राष्ट्र महासभा में वर्ष 1977 को दिए अपने हिंदी भाषण को बताया था।

"अध्यक्ष महोदय, वसुधैव कुटुम्बकम की परिकल्पना बहुत पुरानी है। भारत में सदा से हमारा इस धारणा में विश्वास रहा है कि सारा संसार एक परिवार है। अनेकानेक प्रयत्नों और कष्टों के बाद संयुक्त राष्ट्र के रूप में इस स्वप्न के साकार होने की संभावना है। यहां मैं राष्ट्रों की सत्ता और महत्ता के बारे में नहीं सोच रहा हूं। आम आमदी की प्रतिष्ठा और प्रगति मेरे लिए कहीं अधिक महत्व रखती है।

अंततः हमारी सफलताएं और असफलताएं केवल एक ही मापदंड से मापी जानी चाहिए कि क्या हम पूरे मानव समाज, वस्तुतः हर नर, नारी और बालक के लिए न्याय और गरिमा की आश्वस्ति देने में प्रयत्नशील हैं। अफ्रीका में चुनौती स्पष्ट है प्रश्न ये है कि किसी जनता को स्वतंत्रता और सम्मान के साथ रहने का अनपरणीय अधिकार है या रंगभेद में विश्वास रखने वाला अल्पमत और किसी विशाल बहुमत पर हमेशा अन्याय और दमन करता रहेगा। निःसंदेह रंगभेद के सभी रूपों का उन्मूलन होना चाहिए।

हाल में इजराइल ने वेस्ट बैंक को गाजा में नई बस्तियां बसाकर अधिकृत क्षेत्रों में जनसंख्या परिवर्तन करने का जो प्रयत्न किया है, संयुक्त राष्ट्र को उसे पूरी तरह अस्वीकार और रद्द कर देना चाहिए। यदि इन समस्याओं का संतोषजनक और शीघ्र ही समाधान नहीं होता इसके दुष्परिणाम इस क्षेत्र के बाहर भी फैल सकते हैं। यह अति आवश्यक है कि जेनेवा सम्मेलन का शीघ्र ही पुनः आयोजन किया जाए और उसमें पीएलओ को प्रतिनिधित्व दिया जाए। अध्यक्ष महोदय, भारत सब देशों से मैत्री चाहता है और किसी पर प्रभुत्व स्थापित नहीं करना चाहता।

भारत न तो आणविक शस्त्र शक्ति है और ना बनना चाहता है। नई सरकार ने अपने असंदिग्ध शब्दों में इस बात की पुनर्घोषणा की है। हमारी कार्यसूची का एक सर्वस्पर्शी विषय जो आगामी अनेक वर्षों और दशकों में बना रहेगा वह है मानव का भविष्य। मैं भारत की ओर से इस महासभा को आश्वासन देना चाहता हूं कि हम एक विश्व के आदर्शों की प्राप्ति और मानव के कल्याण तथा उसके गौरव के लिए त्याग और बलिदान की बेला में कभी पीछे नहीं रहेंगे।"

प्रश्नः 3 प्रशासनिक सुधार विभाग द्वारा सभी विभागाध्यक्षों को यह निर्देश दिए हैं कि वे अपने अपने विभागों द्वारा दी जाने वाली सेवाओं के सिटिज़न चार्टर बनाएं और प्रमुख सेवाओं को लोक सेवा गारंटी अधिनियम के अंतर्गत लाएं। सचिव प्रशासनिक सुधार विभाग द्वारा सभी विभागाध्यक्षों को यह निर्देश पत्र के रूप में लिखें। (10 अंक)

प्रश्नः 4 निम्नलिखित शब्दों के अर्थ स्पष्ट करें:- (10 अंक)

1. Perusal
2. Drawing and Disbursal Officer (DDO)
3. Retrospective
4. Administrative Department (AD)
5. Competent Authority
6. Quotation

7. Paper Under Consideration (PUC)
8. Prima facie evidence

(8 अंक)

प्रश्न: 5 निम्न मुहावरों एवं लोकोक्तियों के अर्थ स्पष्ट करते हुए वाक्यों में प्रयोग करें :-

1. आँख के अंधे और नाम नयनसुख
2. अँधा गाए बहरा बजाए
3. न नौ मन तेल होगा न राधा नाचेगी
4. बिल्ली की रखवाली ?
5. अंधी पीसे कुते खायें

(5 अंक)

प्रश्न: 6 निम्न शब्दों/वाक्यों को शुद्ध रूप में लिखें :-

1. प्रशाशन
2. प्रतिलिपी
3. चाय की गर्म प्याली
4. व्यक्तित्व
5. प्रशिक्षन
6. निदेषक
7. प्रसारन

(7 अंक)

प्रश्न: 7 निम्न अनेक शब्दों एक शब्द लिखें :-

1. जिस व्यक्ति पर संदेह हो
2. जो दिखाई न दे
3. जिसे जाना न जा सके
4. जिसे पहले पढ़ा न हो
5. तीन महीने में एक बार होने वाला

(5 अंक)